Dr. S.K. Singh.
Deptt of Economics

मार्शल के उपयोगिता विश्लेषण एवं तटस्थता वक्र विश्लेषण में समानता

(SIMILARITY BETWEEN MARSHALLIAN UTILITY ANALYSIS AND INDIFFERENCE CURVE ANALYSIS)

मार्शल का उपयोगिता विश्लेषण और तटस्थता वक्र विश्लेषण में कुछ समानताएं है जिन्हे नीचे दिया जा रहा है।

(1) दोनो विश्लेषणो मे इस बात को मान लिया गया है कि उपभोक्ता जिन आर्थिक परिस्थितियों के बीच रहता है उनकी उसे पूर्ण जानकारी रहती है।

(2) दोनो विश्लेषणो मे यह मान लिया गया है कि उपभोक्ता विवेकशील (rational) है। यही कारण है कि मार्शल का उपभोक्ता सीमित साधनो को व्यय करके अधिकतम सन्तोष प्राप्त करना चाहता है और तटस्थता वक्र विश्लेषण मे भी एक उपभोक्ता ऊँचे तटस्थता वक्र पर पहुंचने की चेष्टा करता है, ताकि उसे अधिकतम सन्तोष (Maximum Satisfaction) प्राप्त हो सके।

(3) दोनो विश्लेषण सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम (Diminishing Marginal Utility) पर आधारित है। मार्शल ने अपने विश्लेषण मे इसे सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम कहा है, जबकी तटस्थता वक्र-विश्लेषण में सीमान्त प्रतिस्थापन दर ह्रास नियम (Diminishing Marginal rate of Substitution) कहा गया है।

(4) दोनो विश्लेषण मे उपभोक्ता के सन्तुलन की शर्तें समान है। मार्शल के अनुसार, उपभोक्ता तभी सन्तुलन मे होगा, जबकी विभिन्न वस्तुओ की सीमान्त उपयोगिताएं उनके मूल्यो के अनुपात में होनी चाहिए। अन्य शब्दो मे उपभोक्ता को विभिन्न वस्तुओ पर अपनी आय इस प्रकार खर्च करनी चाहिए कि:

$$\frac{M.U. \text{ of } X}{\text{Price of } X} = \frac{M.U. \text{ of } Y}{\text{Price of } Y} = \frac{M.U. \text{ of } Z}{\text{Price of } Z}, \text{ इत्यादि}$$

तटस्थता वक्र विश्लेषण मे यह भी कहा गया है कि उपभोक्ता के सन्तुलन के लिए दो वस्तुओ के बीच सीमान्त प्रतिस्थापन-दर उनके मूल्य अनुपात के बराबर होनी चाहिए। इसे इस प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है:

$$MRS_{XY} = \frac{\text{Price of } X}{\text{Price of } Y}$$

(5) दोनो विश्लेषणो मे उपभोक्ता के व्यवहार की व्याख्या का तरीका मनोवैज्ञानिक है।